माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल 2014 20 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

परीक्षा का नाम	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
सामान्य ... न	3 0 0	हिन्दी

निशान ↓ से मिलाकर चिपकाएं

उत्तर पुस्तिका का क्रमांक A- 4936603

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

1	4	6	7	2	5	8	0	6
एक	चार	छः	सात	दो	पाँच	आठ	शून्य	छः

हस्ताक्षर

1	1	2	4	3	9	5	6	8
एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे

क. पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में 1 शब्दों में एक

ख. परीक्षा के कक्ष क्रमांक हॉल

ग. परीक्षा का दिनांक 26 03 14

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

HIGH SCHOOL केन्द्र क्र. 672013

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
H. Dubey Harsh Dubey	[signature]

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार ... पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुसार ... प्राप्तांकों एवं अंकों का योग सही है।

... सुरेश बाथेया ... -22051 ... /130/...

M.S.Muvel
Adhyapak
H.S. ...
DH/TD/... 164

12-4-1

श्रीमती कांता लकरा
प्राचार्य, उ.मा.वि लावरिया
पं.क्र. DH/TD/300/103
Mob. 90091-84534

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।
प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23	95	
24	100	
25		

कुल प्राप्तांक शब्दों में | कुल ... अंकों

(2)

पृष्ठ क्रमांक

प्रश्न क्र

प्रश्न क्र. 1

(1) (अ) सामाजिक वानिकी योजना को विश्व बैंक से वित्तीय सहायता प्राप्त हो रही है।

(ब) दिल्ली की जनता ने बहादुरशाह ज़फ़र द्वितीय को भारत का सम्राट घोषित किया था।

(स) नशामुक्ति के लिए मद्यनिषेध अभियान महात्मा गाँधी ने चलाया था।

(द) शिक्षा एवं स्वास्थ्य सामाजिक अधोसंरचना के अंग है।

(इ) आई. एस. आई. गुणवत्ता स्तर का मानक है।

प्रश्न क्र. 2 के उत्तर.

(अ) अचानक उत्पन्न होने वाली आपदाएँ नि. लि. है
(1) बाढ़, (2) भू - स्खलन

(ब) सर्वोच्च न्यायालय।

(स) महापौर (मेयर)

राष्ट्रीय आय।

(2) राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस प्रतिवर्ष "24 दिसंबर" को मनाते

Laser/Inkjet/Copier Label A4ST-16 99.1x33.9mmx16

प्रश्न क्र

प्रश्न क्र॰ 3 के उत्तर

(अ) असत्य

(ब) असत्य

(स) सत्य

) सत्य

(इ) सत्य

S

E

प्रश्न क्र॰ 4

'अ'		'ब' (सही उत्तर)
(अ) आकाशवाणी	–	1957
(ब) स्वामी विवेकानंद	–	रामकृष्ण मिशन
(स) चरण पादुका गोलीकांड	–	छतरपुर
(द) परिवहन एवं संचार	–	तृतीयक क्षेत्र
(इ) सीमेंट का कारखाना	–	द्वितीयक क्षेत्र

P.T.O.

MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD

प्रश्न क्र. 5 के उत्तर.

(अ) हीरा

(ब) 1948

(स) 20 अक्टूबर 1962

10

(इ)- उपर्युक्त सभी

खंड ब

प्रश्न क्र. 6 का उत्तर.

मृदा अपरदन – बहते हुए जल, वायु, मानवीय क्रियाकलापों, जीव-जंतु के चरने तथा आपदाओं के फलस्वरूप मिट्टी की ऊपरी सतह बह जाना जिससे उसकी गुणवत्ता में कमी आए "मृदा अपरदन" कहलाता है।

प्रश्न क्र. 7 का अथवा का उत्तर.

1857 के स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख दो नेताओं के नाम नि. लि. हैं –

(1) रानी लक्ष्मीबाई
(2) तात्या टोपे

P.T.O

MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION
माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र. 8 का अथवा का उत्तर.

प्रति व्यक्ति आय – किसी देश की कुल जनसँख्या का उस देश की कुल राष्ट्रीय आय में भाग देने से प्रतिव्यक्ति आय प्राप्त होती है।

गणना सूत्र → $\frac{\text{देश की कुल राष्ट्रीय आय}}{\text{देश की कुल जनसंख्या}}$

B
S
E

प्रश्न क्र. 9 का उत्तर.

द्वितीयक क्षेत्र – जब किन्हीं प्राकृतिक संसाधनों को उनके मूल रूप में ही प्रयोग न करके बल्कि थोड़ा परिवर्तन करके उनका उपयोग किया जाता है तो इस कार्य को अर्थव्यवस्था का द्वितीयक क्षेत्र कहते हैं। रूप परिवर्तन या गुण परिवर्तन का कार्य मानव अधिकांशतः उद्योगों में करता है इसलिए इस क्षेत्र को "औद्योगिक क्षेत्र" भी कहा जाता है। इस क्षेत्र में उत्पाद बनाकर उनका उपयोग करता है।

उदा – गन्ना उगाना या उसकी खेती करना प्राथमिक क्षेत्र में आता है परंतु उससे शक्कर बनाना द्वितीयक क्षेत्र के अंतर्गत आता है।

MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्रश्न क्र. 10 का अथवा का उत्तर.

उपभोक्ता के कर्त्तव्य नि. लि. हैं -

(अ) रसीद प्राप्त करना - प्रत्येक उपभोक्ता का यह कर्त्तव्य होता है कि वह खरीदी हुई वस्तु की रसीद ले ताकि उसके पास वस्तु खराब निकलने पर उत्पादक को दिखाने हेतु प्रमाण रहे।

ब) मानकीकृत वस्तुएँ खरीदना - यह भी मूल कर्त्तव्य है ताकि उपभोक्ता खराब वस्तुएँ खरीदकर न पछताए।

E

प्रश्न क्र. 11 का उत्तर.

स्वामित्व के आधार पर उद्योग के नि. लि. प्रकार हैं -

(1) निजी उद्योग
(2) सरकारी उद्योग
(3) सहकारी उद्योग
(4) मिश्रित उद्योग

वर्णन - (1) निजी उद्योग - जो उद्योग निजी व्यक्तियों के स्वामित्व में हों।

सरकारी उद्योग - जो उद्योग सरकार के स्वामित्व में हैं।

7 [ ] + [ ] = [ ]

प्रश्न क्र. 12 का उत्तर.

आंतरिक जल परिवहन की प्रमुख बाधाएँ निम्नलिखित हैं जिन कारणों से आंतरिक जल परिवहन संभव नहीं हो पा रहा है -

(1) नदियों पर बाँध बनाना
(2) बाढ़ प्रभावित नदियाँ
(3) ऋतुओं का प्रभाव
(4) पथरीले रास्तों से नदियों का निकलना

वर्णन -

(1) नदियों पर बाँध बनाना - भारत में बहने वाली विभिन्न नदियाँ जैसे - गंगा नर्मदा में जल तो पर्याप्त है परंतु बाँध बनाने तथा नहरें निकालने के कारण नाव या स्टीमरों को चलाने में बाधा बार-बार उत्पन्न होती है।

(2) ऋतुओं का प्रभाव - अधिकांशतः नदियाँ ग्रीष्म ऋतु में सूख जाती हैं जिनसे उनकी जलधाराएं उथली हो जाती हैं और आंतरिक जल परिवहन में बाधा आती है

निरंतर

प्रश्न क्र

प्रश्न क्र. 13 को अथवा का उत्तर.

आज मानव निरंतर अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए बड़े पैमाने पर वनों का विनाश कर रहा है जिसके कारण उसे किसी न किसी प्रकार की प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ रहा है। वन वर्षा के जल को भूमिगत करते हैं, भू जल स्तर में वृद्धि करते हैं, वन भूमि की सतह को बांधे रखते हैं, तापमान को नियंत्रित करते हैं परंतु यदि इसी प्रकार वनों का विनाश होते रहेगा तो निरंतर मानव को क्रमशः बाढ़, सूखा, भूस्खलन ज्वालामुखी, भूकंप, सुनामी आदि प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना होगा परंतु इससे उसके जीवन को खतरा बढ़ जाएगा अतः संपूर्ण प्राकृतिक आपदाओं के लिए वनों का विनाश उत्तरदायी है। यह बात सच है।

प्रश्न क्र. 14 का अथवा का उत्तर.

जलियाँवाला बाग हत्याकांड – मार्च 1919 में रोलेट एक्ट पारित हुआ। परंतु संपूर्ण भारत में विरोध हुआ। पंजाब में भी इसका विरोध हुआ जिसके फलस्वरुप दो क्रांतिकारी नेताओं जिनमें से एक सैफुद्दीन किचलू थे की

निरंतर

10 अप्रैल 1919 को गिरफ्तार कर लिया गया। इन गिरफ्तारियों के कारण और जन आक्रोश फूट पड़ा और 13 अप्रैल 1919 को बैशाखी के दिन जलियाँवाला बाग में सभा बुलाई गई। यह एक मैदान था जिससे निकलने का केवल एक ही मार्ग था। जनरल ओ. डायर को इसकी खबर लगी तो वह अपनी सेना के साथ बिना किसी चेतावनी के वहाँ पहुँच गया। बाहर निकलने के एक मात्र मार्ग को बंद कर दिया तथा पुलिस जब तक गोली खत्म न हो जाए तब तक गोली चलाने का आदेश दिया। लगभग दस मिनट तक लोगों पर गोलियाँ चलाई गई। सरकारी आंकड़ों के हिसाब से इस घटना में लगभग 400 लोग मारे गए तथा 1200 लोग घायल हुए। तथा अधिकांश लोग वहाँ स्थित कुएँ में कूद गए। इस भीषण नर संहार की अंग्रेजों ने भी अवहेलना की। यही जलियाँवाला बाग हत्याकांड था।

प्रश्न क्र. 15 का अथवा का उत्तर.

10 जनवरी 1966 को पाकिस्तान के राष्ट्रपति ~~लाल बहा~~ अयूब खाँ तथा भारत के प्रधानमं लाल बहादुर शास्त्री ने ऐतिहासिक ताशकंद समझौते पर हस्ताक्षर किए जिसकी शर्तें नि. लि. थी —

(1) दोनों पक्ष अच्छे पड़ोसियों की तरह संबंध बना का प्रयास करेंगे।

निरंतर

EDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESH

प्रश्न क्र

(2) दोनों पक्षों ने यह भी सहमति व्यक्त की कि वे 5 अगस्त 1965 से पूर्व जिस स्थिति में थे वहां से अपनी सेनाओं को वापस बुला लेंगे।

3) दोनों पक्ष पुनः राजनायिक संबंध स्थापित करने का प्रयास करेंगे तथा अपने देश में एक-दूसरे के विरुद्ध प्रचार को हतोत्साहित करेंगे।

इसके अलावा आर्थिक व सामाजिक, समझौते पर दोनों देशों ने सहमति व्यक्त की।

L S E

प्रश्न क्र. 16 का अथवा का उत्तर.

भारत के नागरिकों के 6 मौलिक अधिकार नि.लि. हैं जिनका संरक्षक सर्वोच्च न्यायालय है-

1) समानता का अधिकार
2) स्वतंत्रता का अधिकार
3) शोषण के विरुद्ध अधिकार
4) धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार
5) संस्कृति व शिक्षा का अधिकार.
6) संवैधानिक उपचारों का अधिकार

वर्णन-(1) समानता का अधिकार- भारत के संविधान में सभी नागरिकों को ~~बिना~~ जाति, लिंग, धर्म, वर्ग आदि के आधार पर बिना भेदभाव किए सभी कार्यों में भाग

निरंतर

भाग पूर्व पृष्ठ ... के अंक
BSE

होने की समानता का अधिकार वर्णित है।

(2) स्वतंत्रता का अधिकार - सभी नागरिकों को भारत के सभी स्थानों पर घूमने, निवास करने, व्यवसाय करने, समूह बनाने, शांतिपूर्ण तरीके से सभा करने, भाषण व विचारों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार है।

(3) शोषण के विरुद्ध अधिकार - किसी भी व्यक्ति को उसकी निर्धारित मजदूरी से कम धन देने या 14 वर्ष से कम वर्ष के बच्चों से काम कराना शोषण कहलाता है सभी नागरिकों के पास समान रूप से इसके विरुद्ध अधिकार प्राप्त है।

(4) धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार - सभी लोगों को अपनी धर्म की उपासना करने का अधिकार प्राप्त है।

(5) संस्कृति व शिक्षा का अधिकार - सभी नागरिकों को बिना भेदभाव के अपनी संस्कृति को सीखने व शिक्षा ग्रहण करने का अधिकार है।

(6) संवैधानिक उपचारों का अधिकार - उपर्युक्त में से किसी भी अधिकार की अवहेलना होने पर व्यक्ति को कानूनी कार्यवाही करने या इसके विरुद्ध शिकायत दर्ज कराने का अधिकार है इसे संवैधानिक उपचार का अधिकार कहते हैं।

P.T.O.

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 17 का अथवा का उत्तर.

वैश्वीकरण का छोटे उत्पादकों पर प्रभाव-

वैश्वीकरण से कुशल, संपन्न व शिक्षित लोगों को तो लाभ होता है परंतु छोटे उत्पादकों पर इसका विपरीत प्रभाव पड़ता है। वैश्वीकरण से छोटे उत्पादक प्रतियोगिता करने में असमर्थ होते हैं अतः वे धीरे- धीरे नष्ट होते जाते हैं। हमारे भारत देश में कृषि के बाद अधिकांश रोजगार छोटे उद्योगों से प्राप्त होता है परंतु वैश्वीकरण के कारण अब छोटे उत्पादक धीरे- धीरे बेरोजगार हो रहे हैं। बैटरी, संधारित्र, खिलौने, खनिज तेल ; आदि लघु उद्योगों को वैश्वीकरण से गहरा नुकसान हुआ है। इनकी स्थिति अब बहुत खराब हो गई है। वैश्वीकरण से विदेशी वस्तुएं बाजार में प्रवेश करती हैं जिनसे लोगों को विदेशी वस्तुएं आकर्षक लगने के कारण वे उन्हें ही खरीदते हैं जिससे भी हमारे छोटे अब उत्पादक अपनी वस्तुओं को बेचने में असमर्थ हो जाते हैं और वे अपना उद्योग धीरे - धीरे करके बंद कर देते हैं।

B
S
E

P.T.O.

EDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL
मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 18 का अथवा का उत्तर.

मौसमी दशाएँ	संकेत
(अ) हिम	✕
(ब) वर्षा	●
(स) ओला	△
(द) कुहरा	≡
(इ) धुँधला आकाश	⊗

B
S
E

प्रश्न क्र. 19 का अथवा का उत्तर.

सविनय अवज्ञा आंदोलन - सन् 1929 के लाहौर अधिवेशन में सविनय अवज्ञा आंदोलन चलाए जाने का प्रस्ताव पारित हुआ परंतु वायसराय लार्ड इरविन ने इस प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया। इसके बावजूद गांधीजी समझौता की आशा करते थे अतः उन्होंने सन् 1930 को लार्ड इरविन के समक्ष 11 मांगे प्रस्तुत की जो 11 निम्नलिखित थीं - भू-राजस्व की दर घटाई जाए, नमक कर समाप्त हो, पूर्ण नशाबं[…] लागू हो, विनिमय की दर घटाई […] निरस्[…]

14

हिंसात्मक कार्य न करने वाले निर्दोष कैदी छोड़े जाएँ, राइफल रखने का लाइसेंस जारी किए जाएँ, तथा अन्य 5 और माँग प्रस्तुत की परंतु लार्ड इरविन ने इन माँगों को भी अस्वीकृत कर दिया अतः गाँधीजी ने 6 अप्रैल 1930 को दाँडी यात्रा कर नमक कानून तोड़ा और सविनय अवज्ञा आंदोलन चलाया।

प्रश्न क्र 20 का उत्तर.

कश्मीर समस्या - कश्मीर समस्या भारत और पाकिस्तान के मध्य सबसे जटिल समस्या। 15 अगस्त 1947 में आजादी के बाद दो नई रियासतों का जन्म हुआ जिसमें देशी रियासतों को अधिकार दिया गया कि या तो वे भारत में मिल जाएँ या पाकिस्तान में या वे अपने आप को स्वतंत्र रख सकती हैं। सभी रियासतें भारत या पाकिस्तान में मिल गईं पर कश्मीर के राजा हरीसिंह ने अपनी रियासत को आजाद रखा। उनका मानना था कि यदि वे पाकिस्तान में मिलते हैं तो कश्मीर की हिन्दू तथा लद्दाख की बौद्ध जनता के साथ अन्याय होगा और यदि वे भारत में मिलते हैं तो मुस्लिम जनता के साथ ~~अन्याय~~ अन्याय होगा। अतः उन्होंने कश्मीर को स्वतंत्र रहने दिया।

क्रमशः

पृष्ठ अंक
MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

~~प्रश्न क्र. २० का उत्तर~~

~~कश्मीर समस्या कश्मीर समस्या भाव~~

<u>कबाइलियों का आक्रमण</u> – भारत के उत्तर-पश्चिमी सीमा प्रांत के कबाइलियों ने अक्टूबर, 1947 को कश्मीर पर आक्रमण कर दिया। अतः कश्मीर के राजा हरीसिंह ने भारत सरकार से मदद माँगी तथा कश्मीर को भारत में विलय करना स्वीकार किया। परंतु भारत सरकार ने कश्मीर ~~को~~ मे जनमत संग्रह कराना उचित समझा अतः भारत सरकार ने पाकिस्तान सरकार से कबाइलियों का मार्ग बंद करने को कहा ताकि कश्मीर की सुरक्षा हो सके। पहले तो पाकिस्तान ने आधिकारिक रूप से कोई सहमति व्यक्त नहीं की परंतु जब इस बात प्रमाण मिले की पाकिस्तान कबाइलियों की मदद कर रहा है तो लार्ड माउंटबेटन के कहने पर भारत ने 1948 में सुरक्षा परिषद में शिकायत की।

<u>जनमत संग्रह के प्रयास</u> – सुरक्षा परिषद ने नि. लि. 5 देशों का एक संगठन बनाया अर्जेन्टाइना, चेकोस्लाविया, कोलंबिया, बेल्जियम तथा अमेरिका। इस संगठन ने भारत में एक व्यक्ति नियुक्त किया जिसने कश्मीर में जनमत संग्रह के प्रयास किए परंतु कोई परिणाम न निकलने पर उसने अपने पद से त्यागपत्र दे दिया।

कश्मीर का भारत में विलय - 6 फरवरी 1954 को

कश्मीर की सरकार ने एक प्रस्ताव पारित किया जिसके अंतर्गत उन्होंने कश्मीर भारत में विलय करने की स्वीकृति प्रदान की। इसके बाद सरकार ने भी 14 फरवरी 1954 को अपने संविधान में संशोधन करके अनुच्छेद 370 के अंतर्गत कश्मीर राज्य को अपना अंग बनाया तथा उसे एक विशेष राज्य का दर्जा दिया।

B
S
E

विलय के पश्चात - कश्मीर के भारत में विलय होने के पश्चात भी पाकिस्तान बार-बार इसका प्रश्न अंतर्राष्ट्रीय परिषद में उठाता रहा है तथा पाकिस्तान में जितनी भी सरकारें आईं निरंतर कश्मीर समस्या को राजनैतिक अस्थिरता की स्थिति निर्मित करती रहीं परंतु भारत के लिए आज भी यह प्रश्न उसकी अखंडता तथा गौरव का प्रश्न है।

P.T.O

प्रश्न क्र. 21 का अथवा का उत्तर.

आजादी के पश्चात भारत को अनेक बार बहुत सी समस्याओं का सामना करना पड़ा तथा युद्ध स्तर पर उनका निपटारा करना पड़ा है। परंतु इन संकटकालीन स्थितियों का सामान्य प्रभावशाली तरीके से करने के संविधान के द्वारा केन्द्र तथा मुख्यत: राष्ट्रपति को कुछ विशिष्ट शक्तियाँ प्रदान की गई हैं -

(1) राष्ट्रीय आपातकाल की स्थिति में
(2) राज्य में संविधान तंत्र की विफलता
(3) वित्तीय संकट

वर्णन -

(1) राष्ट्रीय आपातकाल की स्थिति में - यदि राष्ट्रपति को यह विश्वास हो जाता है कि युद्ध, बाहरी आक्रमण तथा देश में होने वाले सशक्त विद्रोह के कारण संविधान के अनुसार शासन संचालन में समस्या आ रही है तो मंत्रि परिषद की लिखित अनुशंसा पर राष्ट्रीय आपातकाल की स्थिति घोषित कर सकता है। हमारा देश में 3 बार ऐसी स्थिति निर्मित हो चुकी है।

(2) राज्य में संविधान तंत्र की विफलता - राज्यपाल के प्रतिवेदन या किन्हीं अन्य तरीकों से यदि राष्ट्रपति को यह

योग पूर्व पृष्ठ क्र अंक कुल अंक
SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र

विश्वास हो जाता है कि उस राज्य का शासन संविधान अनुसार नहीं चल पा रहा है तो मंत्रि - परिषद की लिखित अनुशंसा पर उस राज्य में अपना शासन लागू कर सकता है इसे सामान्य भाषा में "राष्ट्रपति शासन" कहते हैं। इस प्रकार का राष्ट्रपति शासन हमारे देश में कई बार लागू हो चुका है।

(3) वित्तीय संकट - यदि राष्ट्रपति को यह विश्वास हो जाता है कि कि हमारे देश में आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है तो देश में राष्ट्रपति शक्तियों का प्रयोग करके आपातकाल लागू कर सकता है। इस प्रकार की स्थिति हमारे देश निर्मित ही नहीं हुई।

B
S
E

प्रश्न क्र. 22 का अथवा का उत्तर.

मादक पदार्थ - वे नशीले पदार्थ जिनके सेवन से शारीरिक शिथिलता तथा मानसिक रूप से उत्तेजना के कारण क्षणिक आनंद की अनुभूति हो मादक पदार्थ कहलाते हैं।

निरंतर

(19)

योग पूर्व पृष्ठ

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

मादक पदार्थों का शरीर पर नि. लि. प्रभाव पड़ता है -

(1) शारीरिक शिथिलता
(2) अनेक प्रकार के रोग
(3) स्वयं को चोट पहुँचाना
(4) मस्तिष्क पर प्रभाव
(5) अकाल मृत्यु

वर्णन- (1) शारीरिक शिथिलता - मादक पदार्थों के सेवन से व्यक्ति में शारीरिक शिथिलता आ जाती है वह जल्दी थक जाता है तथा आलस्य महसूस करता है उसकी कार्यक्षमता गिर जाती है।

(2) अनेक प्रकार के रोग - मादक पदार्थों के सेवन से रोगप्रतिरोधक क्षमता गिर जाती है जिससे अनेक प्रकार के रोग व्यक्ति को ग्रस लेते हैं तथा अंदर से शरीर क्षीण कर देते हैं।

(3) स्वयं को चोट पहुँचाना - मादक पदार्थों के सेवन से व्यक्ति को समझ ही नहीं आता कि वह क्या कर रहा है जिससे कई बार क्रोध में आकर अपने आप को ही चोट पहुँचाने लगता है और उसके शरीर पर बुरा प्रभाव होता है।

निरंतर

योग अंक BHOPALBOARDSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESH

(4) मस्तिष्क पर प्रभाव – मादक पदार्थों के सेवन से मानसिक शिथिलता आती है और वह अपने सोचने समझने की शक्ति खो देता है। उसकी मानसिक कार्यक्षमता घटती जाती है।

(5) अकाल मृत्यु – मादक पदार्थों के सेवन करने वाले व्यक्ति को अनेक रोग घेर लेते हैं। भले ही वह बाहरी रूप से स्वस्थ दिखे परंतु अंदर ही अंदर उसका शरीर का नाश होता रहता है और वह किसी बड़ी बीमारी का शिकार हो जाने से उसकी अकाल मृत्यु हो जाती है।

B
L

प्रश्न क्र. 24 का उत्तर.

(1) रानी लक्ष्मीबाई

सन 1854 में पति गंगाधर राव की मृत्यु होने बाद अंग्रेजो ने झांसी को अपने शासन में विलय कर लिया तथा दत्तक पुत्र को उत्तराधिकारी बनाने से इंकार कर दिया। परंतु झांसी की रानी उनकी पराधीनता न सह सकी और अंग्रेजो से युद्ध करने की तैयारी कर दी। वे पहली बार युद्ध में हार गईं परंतु फिर भी उन्होंने पूरी तरह से हार न मानी।

निरं

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश : भोपाल 4 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम	दिनांक
सामा० विज्ञान	3 0 0	हिन्दी	26 ...

स्टीकर तीर के निशान से मिलाकर लगाये

[redacted]

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र की मुद्रा
HIGH SCHOOL CERTIFICATE EXAM-
केन्द्र क्र. 072013

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर
H. Dubey
Harsh Dubey

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

परीक्षार्थी द्वारा भरा जाय

EDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOA

रानी लक्ष्मीबाई ने अपने जीवन में बहुत से संघर्ष किए। उन्होंने अपने जीवन के अंतिम युद्ध मध्यप्रदेश में लड़े। उन्होंने कालपी से आगे बढ़कर ग्वालियर के किले पर अधिकार कर लिया तथा युद्ध लड़ने में तात्या टोपे की मदद ली। अंततः ग्वालियर में अंग्रेजों से संघर्ष करते-करते 18 जून सन 1858 में वे वीरगति को प्राप्त हुई। ग्वालियर में वे जिस स्थान पर अंतिम क्षण तक लड़ी रहीं थी वहाँ अर्थात ग्वालियर में बाबा गंगादास के बाग में उनका समाधि स्थल है।

(ii) तात्या टोपे

तात्या टोपे सन 1857 के उन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों में से एक थे जिनकी प्रारंभिक निष्ठा पेशवा परिवार के प्रति थी। तात्या टोपे उनके साहस, वीरता, साधनहीनता के सम्म

निरं

में अंकों का योग

2 पृष्ठ + पृष्ठ = अंक

मे भी युद्ध जारी रखने का कौशल, शत्रु को चकमा देने तथा गुरिल्ला पद्धति से लड़ने के लिए प्रसिद्ध थे। नाना साहेब ने अपने राज्य का संपूर्ण उत्तरदायित्व तात्या टोपे को सौंप दिया। तात्या टोपे बुंदेलखंड के प्रमुख सेनानियों मे से एक थे। वे मध्यप्रदेश मे दो वर्षों तक गुरिल्ला पद्धति से युद्ध लड़ते रहे। परंतु अशेन (जिला गुना) के जंगलों मे विश्राम करते समय अंग्रेजो ने उन्हें पकड़ लिया तथा 18 अप्रैल 1859 को फांसी दे दी।

प्रश्न क्र. 23 का उत्तर

सरकार द्वारा वन संरक्षण के लिए नि. लि. प्रयास किए गए है -

(1) भारतीय वन सर्वेक्षण संगठन
(2) वन अग्नि नियंत्रण परियोजना
(3) वन महोत्सव
(4) सामाजिक वानिकी
(5) काष्ठ कला उद्योग को बढ़ावा
(6) वृक्षों की कटाई पर रोक
(7) आपदा प्रबंधन

वर्णन

(1) भारतीय वन सर्वेक्षण संस्थान - इस संस्थान की स्थापना सन् 1971 मे हुई थी। यह संस्थान ज्यादा से ज्यादा वनों के संरक्षण का प्रयास करता है।

निरंतर

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

(2) वन आग्नि नियंत्रण परियोजना - वनों में बार-बार किसी न किसी कारण से आग लग जाने के कारण से वे नष्ट हो रहे हैं अतः सरकार द्वारा वन अग्नि नियंत्रण परियोजना चलाई गई जिससे वनों में लगने वाली आग के नुकसान को कम किया जा सके।

(3) वन महोत्सव- भारत में सन् 1950 में के.एम. मुंशी ने वन महोत्सव की शुरुआत की थी। जो प्रतिवर्ष 1 से 7 जुलाई तक मनाया जाता है।

(4) सामाजिक वानिकी - विश्व बैंक से प्राप्त वित्तीय सहायता से यह योजना चलाई जा रही जिसके अंतर्गत सड़कों, नहरों तथा रेललाइनों के किनारे वृक्षारोपण कर जनभागीदारी को बढ़ाया जा रहा है।

(5) काष्ठ कला प्रशिक्षण व उद्योग को बढ़ावा -

सरकार द्वारा वनों के महत्व व संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए काष्ठ कला प्रशिक्षण तथा उद्योग को बढ़ावा दिया जा रहा है जिससे लोग वनों से प्राप्त लकड़ी का उचित तरीके से उपयोग कर सकें।

6) वृक्षों की कटाई पर रोक- वनों का संरक्षण करने का सबसे उचित तरीका निरंतर

B
S
E

प्रश्न क्र.

उनकी (वृक्षों की) कटाई को रोकना है जिससे अधिक से अधिक वन संरक्षित हो।

(7) <u>आपदा प्रबंधन</u> - वनों का विनाश आपदा के लिए उत्तरदायी तो है साथ ही साथ आपदा आने से भी वनों का विनाश होता है अतः सरकार ने "<u>आपदा प्रबंधन</u>" की नीति को अपनाया है।

B
S
E